पाठ योजना

कक्षा:- सात इकाई: - दो (परिश्रम)

पाठ का नाम:- यह धरती है उस किसान की (कविता)

कवि का नाम - केदारनाथ अग्रवाल

कालांश-

- सामग्री - कविता का ऑडियो/ वीडियो

अधिगम उद्देश्य:-

- कविता वाचन करना।
- कविता पाठ करने की क्षमता प्राप्त करना।
- कविता का आशय समझना।
- कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखने की धारणा प्राप्त करना ।
- 'परिश्रम 'पर लेख लिखने की क्षमता प्राप्त करना ।
- सूचनापट (कृषक दिवस पर) तैयार करना।

अधिगम गतिविधियाँ:-

- चित्र वाचन करना और प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से देना ।
- खेती से संबंधित शब्द जानना ।
- किसान की ज़िंदगी के बारे में अधिक जानने का प्रयास करना ।
- तपकर ,मरकर, बरसाकर आदि शब्दों से वाक्य बनाना ।
- नए शब्दों से परिचित होना।
- तुकांत शब्द ढूंढकर लिखना।

मूल्य / मनोभाव :-

- परिश्रम करने से सफलता मिलती है।

HINDI ADHYAPAK MANCH

अनौपचारिक संवाद:-

अध्यापिका बच्चों से उनके माता-पिता के व्यवसाय के बारे में बात करती हैं ।

जैसे:-

तुम्हारे पिताजी क्या काम करते हैं ?

बच्चों द्वारा मातृभाषा या अंग्रेजी में प्रतिक्रिया करने पर अध्यापिका हिंदी में बताती है ।

जैसे :-

चिकित्सक, अध्यापक, अभियंता (engineer), सफाई कर्मचारी, दुकानदार, लुहार, सुनार, किसान आदि।

बच्चों की हर प्रतिक्रिया पर अच्छा, बहुत अच्छा ,बढ़िया आदि कहती हैं।
' किसान ' प्रतिक्रिया आने तक यह प्रक्रिया ज़ारी रखती हैं ।

प्रतिक्रिया प्रश्न :-

खेती करने के लिए किसान के पास क्या-क्या होते हैं ?

बच्चों द्वारा मातृभाषा में बताने पर अध्यापिका उनके हिंदी शब्द बताती हैं ।

जैसे:-

बैल - bull

हल - plough

जुआ - हल के आगे की लकड़ी(the yoke)

बीज - seed

पांस - खाद(manure)

चित्र वाचन का अवसर

प्रतिक्रिया प्रश्न :-

चित्र में कौन-कौन हैं ?

किसान कहाँ खड़ा है?

किसान के कंधे पर क्या है?

HINDI ADHYAPAK MANCH

(कुदाल/ फावड़ा)

वाचन प्रक्रिया :-

- प्रथम चार पत्तियों का व्यक्तिगत वाचन ।
- किसी एक बच्चे की प्रस्तुति ।
- दल में वाचन ।
- किसी एक दल की प्रस्तुति।
- अध्यापिका द्वारा वाचन।
- कठिन शब्द रेखांकित करना।
- पन्ना संख्या 31 से कठिन शब्दों के अर्थ खोज कर पुस्तिका में लिखना।
- दलों में आशय विनिमय ।

प्रतिक्रिया प्रश्न:-

1. किसान बैलों के कंधों पर क्या रख देता है ?
   (जुआ)
2. 'जुआ' का क्या अर्थ है ?
   The yoke/ gambling .
3. 'जुआ भाग्य का रख देता है '
   इसका क्या अर्थ है ?
   (बैलों के कंधों पर जुआ (the yoke)रखता है और परिश्रम करने के लिए तैयार हो जाता है। इस प्रकार वह अपना भाग्य खुद बनाता है।)
   या
   वह अपने भाग्य की बाजी लगा देता है।

4. किसान किन-किन परिस्थितियों में खेती करने के लिए निकल पड़ता है ?
   (बरसात हो या धूप)

HINDIADHYAPAK MANCH

वाचन प्रक्रिया :- (खून चाटती..........मिट्टी को)

वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण से गुज़रने के बाद अध्यापिका निम्नलिखित प्रतिक्रिया प्रश्न पूछती हैं:-
किसान खेती के पहले मिट्टी को क्या करता है ?
जोत डालता है ।

किसान मिट्टी को किस तरह जोतता है ?
मिट्टी की गहराई तक।

गहराई तक जोतने के लिए किसान क्या करता है ?
पैनी कुसी की सहायता से जोतता है।

'दूर कलेजे तक' इसका क्या अर्थ है ?
गहराई तक

'खून' का क्या अर्थ है ?
रक्त

तो क्या कठिन परिश्रम करने पर किसान के शरीर से खून निकलता है?
नहीं, पसीना।
तो फिर यहाँ ' पसीने' के स्थान पर 'खून' का प्रयोग क्यों किया गया है?
कठिन परिश्रम से जो पसीना आता है ,उसे खून भी कहा जा सकता है।

'खून चाटती वायु में' इस पंक्ति का क्या अर्थ है ?
परिश्रम के कारण किसान के शरीर से पसीना निकलता है और तेज़ हवा में ऐसा लगता है जैसे वायु खून चाट रही है।

वाचन प्रक्रिया :- पांस डालकर....... लग जाता है ।

HINDI ADHYAPAK MANCH

वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण से गुज़रने के बाद अध्यापिका विश्लेषण के लिए निम्नलिखित प्रश्न पूछती हैं:-

बीज बोने के पहले किसान क्या करता है ?
पांस (खाद)डालता है।

खेत जोतकर , पांस डालकर और बीज बोने के बाद क्या होता है?
अन्न पैदा होता है ।

' ढेर अन्न का लग जाता है' इसका क्या अर्थ है ?
बहुत अधिक अन्न पैदा होता है।

कब ?
नए वर्ष में ।

पृष्ठ संख्या 25 (प्रश्न) :-
ढेरों अन्न उपजाने के लिए किसान को किन-किन का सामना करना पड़ता है?
संभावित उत्तर:-
बरसात, धूप,खून चाटती वायु आदि का सामना करना पड़ता है।

वाचन प्रक्रिया
यह धरती है......केवल किसान की।
वाचन प्रक्रिया के प्रत्येक चरण से गुज़रने के बाद अध्यापिका निम्नलिखित प्रश्न पूछती हैं:-

यह धरती किसकी है और किसकी नहीं है ?
यह धरती न तो राजा की है और न ही रंक की है।यह धरती केवल किसान की है।

वाचन प्रक्रिया :-
यह धरती है...... जीवन अपना ।

HINDI ADHYAPAK MANCH

वाचन प्रक्रिया से गुज़रने के बाद अध्यापिका निम्नलिखित प्रश्न पूछती हैं :-
'पारखी 'का क्या अर्थ है ?
'मिट्टी का पारखी 'कौन है ?
'तपना' और 'गलना 'का क्या अर्थ है ?
यहाँ 'मरना' का क्या अर्थ है ?
(जी तोड़ मेहनत करना या कठिन परिश्रम करना)

कौन मिट्टी के साथ ही तपता, गलता और मरता है?
'जीवन खपाने' का क्या अर्थ है ?
(अपना सारा जीवन समर्पित कर देना)

यहाँ कौन अपना जीवन खपा रहा है ?

प्रश्न संख्या 26 प्रश्न:-
किसान को 'मिट्टी का पूर्ण पारखी' क्यों कहा गया है ?
(किसान मिट्टी के स्वभाव को अर्थात् उसके गुण और दोष को अच्छी तरह समझता है। इसलिए किसान को मिट्टी का पूर्ण पारखी कहा गया है।)

वाचन प्रक्रिया :-
देख रहा है...... यह धरती है उस किसान की।
'सोने 'का क्या अर्थ है ?
स्वर्ण ।

एक किसान के लिए 'सोने' का मतलब क्या होगा ?
अन्न।

तो किसान किसका सपना देखता है ?
सोने रूपी अन्न का सपना।

HINDI ADHYAPAK MANCH

किसान किसकी महिमा गाता है ?

पृष्ठ संख्या 26 (प्रश्न)

'तन की खाद मिलाना' का मतलब क्या है?

कठिन परिश्रम करना।

किसान मिट्टी को कैसे जीवित रखता है ?

अपने तन की खाद मिलाकर अर्थात् कठिन परिश्रम करके।

अध्यापिका पूरी कविता का एक बार और वाचन करवाती हैं।

(अलग-अलग बच्चों को अवसर देकर)

पृष्ठ संख्या 27 (गतिविधि एक)

खेती से संबंध रखने वाले शब्द कविता से पहचान कर लिखें :-

बच्चों को कविता से शब्द ढूंढने का समय देती हैं।

(जुआ, बीज, बैल, किसान, मिट्टी, पांस, अन्न)

पृष्ठ संख्या 27 (गतिविधि दो)

किसान अपनी ज़िंदगी कैसे व्यतीत करता है ?कविता के आधार पर पूर्ति करें ।

(उदाहरण के रूप में दिए गए दो वाक्य पढ़ने का अवसर देती हैं फिर गतिविधि करने का पर्याप्त समय देती है ।)

संभावित उत्तर :-

- किसान मिट्टी जोतकर खाद डालता है।
- किसान बीज होता है ।
- किसान फ़सल काटता है ।
- किसान मिट्टी के साथ ही तपता और गलता है ।
- किसान मिट्टी की महिमा गाता है
- किसान मिट्टी को जीवित रखता है।

HINDIADHYAPAK MANCH

पृष्ठ संख्या 28 गतिविधि एक (गृह कार्य के रूप में करने का निर्देश देती हैं)

पृष्ठ संख्या 28 (गतिविधि दो)

निम्न शब्दों से वाक्य बनाएं:-

- बरसाकर

  बादल पानी बरसाकर सबकी प्यास बुझाता है ।
- गरजकर

  बादल गरजकर अपने आने की सूचना देता है ।
- डूबकर

  बाढ़ आने पर कई लोग पानी में डूबकर मर जाते हैं ।
- तपकर

  किसान धूप में तपकर काम करता है ।
- मरकर

  सैनिक मरकर देश के लिए शहीद हो जाते हैं।

गतिविधि तीन (पृष्ठ संख्या 28)

- कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें।

  कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखने के लिए अध्यापिका निम्नलिखित प्रश्न बच्चों से पूछती हैं और बच्चों की प्रतिक्रिया श्यामपट पर लिखती हैं।

कविता का नाम क्या है?

कवि कौन हैं?

यह कविता किसके बारे में है? (किसान की ज़िंदगी के बारे में)

कवि के अनुसार यह धरती किसकी है?

किन-किन परिस्थितियों में किसान खेत पर काम करता है? वह क्या-क्या करता है?

किसान को मिट्टी का पूर्ण पारखी क्यों कहा गया है?

किसान किस तरह अपना जीवन खपा रहा है ?

HINDI ADHYAPAK MANCH

किसान क्या सपना देखता है ?
वह किसकी महिमा गाता है?
किसान मिट्टी को किस तरह जीवित रखता है?
अध्यापिका उपरोक्त सभी प्रतिक्रियाएं श्यामपट पर लिखने के बाद बच्चों को पढ़ने का अवसर देती हैं।

उपरोक्त प्रतिक्रियाओं के आधार पर कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखने का अवसर देती है ।
(दलों में)

- प्रत्येक दल से किसी एक बच्चे की प्रस्तुति।
- दलों में परिमार्जन
- संशोधन
- अध्यापिका की प्रस्तुति

आस्वादन टिप्पणी

कविता का नाम है - यह धरती है उस किसान की। इस कविता के कवि श्री केदारनाथ अग्रवाल हैं। यह कविता किसान के जीवन संघर्ष के बारे में है। कवि के अनुसार यह धरती किसान की है। बरसात हो या धूप ; किसान खेत में काम करता है। वह बैलों के कंधों पर जुआ रखता है और अपने काम में लग जाता है। वह पैनी कुसी की मदद से मिट्टी को अंदर तक जोत डालता है। वह खाद डालकर बीज बोता है। कठिन परिश्रम से वह नए वर्ष में अन्न का ढेर लगा लेता है।

यह धरती न तो राजा की है न ही रंक की। यह धरती केवल किसान की है। वह मिट्टी का पूर्ण पारखी है। वह मिट्टी के साथ ही तपकर, गल कर और मरकर अपना जीवन बिताता है। मिट्टी में ही वह समृद्धि का सपना देखता है। वह मिट्टी की ही महिमा गाता है। मिट्टी में अपने तन की खाद मिलाकर अर्थात् खून-पसीना बहाकर वह मिट्टी को जीवित पर रखता है और खुद जीता है।

HINDIADHYAPAK MANCH

यह कविता किसान के कठिन परिश्रम के बारे में है। तपकर-गलकर-मरकर, अपना-सपना आदि तुकांत शब्दों का प्रयोग किया गया है। 'मिट्टी का पूर्ण परखी', 'सोने का सपना', 'तन की खाद मिलाकर' आदि वाक्यांश कविता को सुंदर बनाते हैं।

पन्ना संख्या 29 (गतिविधि एक)
'कृषक दिवस 'पर आपके विद्यालय में जत्था निकाला जा रहा है।
प्लकार्ड के लिए संदेश वाक्य लिखें ।

चित्र में दिया गया सूचनापट पढ़ने का अवसर देती हैं। इसी तरह से संदेश वाक्य जोड़ने का भी अवसर देती हैं।
बच्चों की प्रतिक्रियाएं अर्थात् संदेश वाक्य श्यामपट पर लिखती हैं।
जैसे:-

- जीता रहे किसान
- किसान हमारा अन्नदाता
- 23 दिसंबर, कृषक दिवस
- मिट्टी का पूर्ण पारखी किसान
- मिट्टी का साथी किसान
- परिश्रम का दूसरा नाम किसान
- किसान है तो अन्न है
- मिट्टी में सोने का सपना देखने वाला किसान
- मिट्टी में सोना उपजाने वाला किसान
- मिट्टी का मर्म समझने वाला किसान

गृहकार्य:-
संदेश वाक्य जोड़कर सूचनापट तैयार करें ।

HINDIADHYAPAK MANCH

पन्ना संख्या 30

गतिविधि :-

निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करें और लेख लिखें ।

- अध्यापिका दिए गए बिंदुओं को पढ़ने का अवसर देती हैं। (व्यक्तिगत रूप से)
- अध्यापिका द्वारा वाचन ।
- कठिन शब्द रेखांकित करने के लिए समय देती है।
- कठिन शब्दों के अर्थ बताती हैं।

जैसे :-

सफलता	-	success
हार	-	पराजय
थकान	-	tiredness
सामना करना	-	to face
संघर्ष	-	struggle
आगे बढ़ना	-	to go head
परिश्रम	-	मेहनत
समाज	-	society
विकास	-	development
योगदान	-	contribution

पाठ पुस्तक में दिए गए बिंदुओं के आधार पर कुछ प्रश्न अध्यापिका श्यामपट पर लिखती हैं ।

क्या आप जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं ?

तो सफलता प्राप्त करने के लिए आपको क्या करना होगा ?

किसका सामना करना होगा ?

संघर्ष भरे जीवन को किस तरह जीना होगा ?

HINDI ADHYAPAK MANCH

हम किस प्रकार समाज और देश के विकास में योगदान दे सकते हैं ?
(उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर बिंदुओं की सहायता से पुस्तिका में लिखने का अवसर देती हैं।)

इन उत्तरों की मदद से 'परिश्रम' पर लेख लिखने का अवसर देती हैं (दल में)

- प्रत्येक दल में से किसी एक की प्रस्तुति ।
- परिमार्जन
- संशोधन
- लेख के लिए उचित शीर्षक देने का निर्देश देती हैं।
- अध्यापिका की प्रस्तुति ।

परिश्रम

हम सभी जीवन में सफलता प्राप्त करना चाहते हैं। सफलता पाने के लिए परिश्रम करना आवश्यक है। बिना परिश्रम के कोई सफल नहीं होता। इसलिए हम सभी को परिश्रम का महत्व समझ कर संघर्ष भरे जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। हार-थकान का सामना साहस के साथ करना चाहिए। परिश्रम करने वाला स्वयं सफल होता है और समाज और वेश के विकास में भी योगदान देता है।

HINDI ADHYAPAK MANCH